नारी शक्ति की हुंकार

शिवपुरी में रैली-पदयात्रा से गूंजा महिला सशक्तिकरण का संदेश

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 17 अप्रैल। नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत जिले में महिला सशक्तिकरण का सशक्त संदेश देने के लिए भव्य रैली और पदयात्रा का आयोजन किया गया। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्कूटी रैली को जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद पदयात्रा कलेक्ट्रेट से शुरू होकर अस्पताल चौराहा होते हुए तात्या टोपे की समाधि स्थल तक पहुंची। यहां महिलाओं ने मानव श्रृंखला बनाकर एकजुटता का परिचय दिया और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में आवाज बुलंद की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेहा यादव ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, जिससे नीति निर्माण में उनकी भागीदारी बढ़ेगी और देश का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। रैली में भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सीमा शिवहरे, जनपद अध्यक्ष हेमलता रावत, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सुगंधा शर्मा, सदस्य रेखा शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी धीरेन्द्र सिंह जादौन, परियोजना अधिकारी शहरी नीरज सिंह गुर्जर, परियोजना अधिकारी ग्रामीण अमित यादव सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

जिले के खनियांधाना और कोलारस विकासखंडों में भी जागरूकता रैलियां निकाली गईं, जहां महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए समानता, अधिकार और सशक्तिकरण का संदेश दिया।

जिले में भ्रमण के लिए निकले कलेक्टर

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 17 अप्रैल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने शुक्रवार को जिले का भ्रमण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने ग्राम पंचायत गंगोरा स्थित माँ सकुंतला वेयरहाउस एवं ओम

उपार्जन केंद्रों, स्वास्थ्य संस्थाओं और कार्यालयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पार्श्वनाथ वेयरहाउस पहुंचकर गेहूं उपार्जन व्यवस्था का जायजा लिया तथा किसानों से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान एक किसान द्वारा मोबाइल पर कोड प्राप्त न होने एवं बारदाने की समस्या बताई गई, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने वारदाना, किसानों को सूचना, एस एम एस, परिवहन आदि की जानकारी ली।

इसके पश्चात उन्होंने उपस्वास्थ्य केंद्र करई, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसौद एवं आंगनवाड़ी केंद्र सिरसौद का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रजिस्टर, ओपीडी, दवा वितरण कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं को देखा। स्वास्थ्य केंद्रों में साफ सफाई रखने के निर्देश दिए। चिकित्सक भी ड्यूटी पर मौजूद रहें। मरीजों के साथ स्टाफ का व्यवहार ठीक रहे। लापरवाही की शिकायत नहीं मिलना चाहिए।

आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की संख्या, पोषण आहार आदि की जानकारी ली। उन्होंने एसडीएम कार्यालय करैरा का निरीक्षण कर विभिन्न शाखाओं के कार्यों की समीक्षा की तथा आमजन की शिकायतें सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही अनुविभाग स्तर पर आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के शीघ्र निराकरण पर विशेष जोर दिया जिससे आमजन को जिला स्तर तक अनावश्यक परेशान न होना पड़े।

1 ही दिन में 7 .70 लाख की स्मैक जब्त

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 17 अप्रैल। नशे के खिलाफ करैरा थाना पुलिस ने डबल कार्रवाई को अंजाम दिया है, जिसने तस्करी के पूरे नेटवर्क में हड़कंप मचा दिया है। एक ही दिन में दो अलग-अलग कार्रवाइयों में पुलिस ने कुल 37.93 ग्राम स्मैक कीमत करीब 7.70 लाख रुपये जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

दो तस्कर गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के सख्त निर्देशों पर चल रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी करैरा आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छावई के नेतृत्व में टीम लगातार सक्रिय रही। पहली कार्रवाई गल्ला मंडी करैरा क्षेत्र में हुई, जहां पुलिस ने घेराबंदी कर अतुल लोधी उम्र 20 वर्ष निवासी सिरसौद को दबोचा। उसके पास से 20.43 ग्राम स्मैक और इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा बरामद हुआ। दूसरी कार्रवाई मुंगावली तिराहे के पास यात्री प्रतीक्षालय में की गई, जहां वसूली उर्फ सौरभ यादव उम्र 25 वर्ष को 17.50 ग्राम स्मैक और इलेक्ट्रॉनिक कांटे के साथ गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है। पूछताछ में दोनों ने स्मैक का स्रोत दयाल सिंह रावत, निवासी फूलपुर थाना सीहोर को बताया है। इससे साफ है कि पुलिस अब एक बड़े सप्लाई नेटवर्क के करीब पहुंच चुकी है और इसकी परतें खोलने में जुटी है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छावई, उपनिरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह चाहन, उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह चाहर, सहायक उपनिरीक्षक चरण सिंह, सहायक उपनिरीक्षक बृजराज यादव, प्रधान आरक्षक राजेश शर्मा, प्रधान आरक्षक वीरेन्द्र सिंह, आरक्षक हरेन्द्र सिंह गुर्जर, मत्स्येन्द्र गुर्जर, नीरज सिंह, मधुर श्रीवास्तव, सुरेन्द्र रावत, राधेश्याम जादौन और चालक रामअवतार गुर्जर की सराहनीय भूमिका रही।

फिल्मी अंदाज में पीछा

शराब माफिया की कार पलटी, 11 .25 लाख का माल जब्त

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 17 अप्रैल। कोलारस पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए फिल्मी अंदाज में पीछा कर 25 पेटी देशी शराब और एक बिना नंबर की बलेनो कार जब्त की है। जब्त मशरूका की कुल कीमत 11 लाख 25 हजार रुपये आंकी गई है, जबकि आरोपी मौके से जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया।

आरोपी फरार

पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर जिले में अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई तेज की गई है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी कोलारस संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक गब्बर सिंह गुर्जर को मुखबिर से सूचना मिली कि एक सफेद कार में शिवपुरी से सुनाज की ओर शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम धर्मपुरा में घेराबंदी की। इसी दौरान बिना नंबर की सफेद बलेनो कार आती दिखी, जिसे रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने रफ्तार बढ़ा दी। पुलिस ने सरकारी वाहन से पीछा किया, तो कार चालक तेजी से भागने लगा। भागते समय कार गोरा टीला मार्ग पर एक पत्थर की मुंडेर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस को आता देख चालक वाहन छोड़कर जंगल की ओर भाग निकला।

तलाशी में कार से 25 पेटी देशी प्लेन शराब कीमत 1.25 लाख रुपये बरामद हुई। वाहन की कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई है। जांच में आरोपी की पहचान सुरेन्द्र पिता गिरवार लोधी, निवासी ग्राम अगरा मलावनी पिछोर के रूप में हुई। उसके खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक गब्बर सिंह गुर्जर, सउनि लटूरचंद जाटव, प्रधान आरक्षक उदय सिंह तोमर, प्रधान आरक्षक रामवरन लोधी, आरक्षक पुष्पेन्द्र रावत, आरक्षक निर्मल बारेला और आरक्षक लालू प्रसाद यादव की सराहनीय भूमिका रही।

शिक्षकों एवं अभ्यर्थियों की मेहनत रंग लाई

नवभारत न्यूज
दिनारा, 17 अप्रैल। जिला करैरा विधानसभा क्षेत्र की अंतर्गत आने वाली नगर पंचायत दिनारा नगर परिषद का विद्यालय किड्स लर्निंग जोन स्कूल हमेशा बेहतर परीक्षा परिणाम के रूप में पहचाना जाता है हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम बेहतर रहा है इस वर्ष इस स्कूल की छात्रा कु आशिकी शर्मा ने 98.2ज अंक प्राप्त कर मध्य प्रदेश की प्रावीण्य सूची में नौवाँ स्थान प्राप्त कर अपने माता पिता तथा दिनारा क्षेत्र का नाम रोशन किया है आशिकी शर्मा ने बताया कि किड्स लर्निंग ज़ोन स्कूल में बेहतर शिक्षा के साथ साथ हर प्रकार की गतिविधियां भी कराई जाती है जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके इसी स्कूल के अन्य छात्र आदित्य गुप्ता (95.6च), ह्रदयांश शर्मा (94.4ज) ,राम शर्मा (92.2ज), अवनीत यादव (90ज) नैतिक दुबे 89.6च दिपांशु मिर्धा 89.4 सागर यादव 87.6च आशी यादव 87ज माही गुप्ता 86.6च आयुषि ठाकुर 85.8 चसाहिल यादव 85 .2 चप्रिंस राय 82.4ज राज यादव 81.2 च ऋतुराज यादव 80.8ज वंशिका परिहार 80.2ज ने अच्छे परीक्षा परिणाम के साथ कक्षा दसवीं उत्तीर्ण की है एवं नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा मैं इसी स्कूल के छात्र शरद रजक ने (98.75ज) अंक प्राप्त कर शिवपुरी ज़िले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है किड्स लर्निंग जोन के सभी अध्यापक एवं अध्यापिकाओं ने सभी छात्र-छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना कर उनके माता-पिता को भी बधाइयां प्रेषित की।

किड्स लर्निंग जॉन स्कूल की छात्रा आशिकी शर्मा ने कक्षा दसवीं में मध्य प्रदेश मे नौवां स्थान प्राप्त किया

नरवर में बढ़ती चोरियों से दहशत, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

नवभारत न्यूज
नरवर, 17 अप्रैल। नगर में बीते एक माह से लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने आमजन की नींद उड़ा दी है। ताजा मामला वार्ड क्रमांक 2 निवासी त्रिलोक सिंह कुशवाह के घर का है, जहां अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर करीब दो लाख रुपये के जेवरात और 25 हजार रुपये नगद पार कर दिए।

पीड़ित ने नरवर थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई है और पुलिस से जल्द कार्रवाई करते हुए चोरों की गिरफ्तारी व चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है। गौरतलब है कि यह कोई एकलौती घटना नहीं है। इससे पहले करीब 10 दिन पूर्व अशोक अग्रवाल की दुकान से काउंटर में रखी नकदी चोरी हो गई थी, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया, लेकिन इसके बावजूद पुलिस अब तक आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी। वहीं तीन दिन पहले एक किसान के घर से दो बोरी गेहूं चोरी होने का मामला भी सामने आया था, जिसमें भी पुलिस के हाथ खाली हैं। सूत्रों के अनुसार हाल ही में एक मोटरसाइकिल चोरी की घटना भी हुई है, जिसका अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है।

लगातार हो रही इन घटनाओं ने नरवर नगर में भय का माहौल बना दिया है। हालात यह हैं कि लोग रातभर जागकर अपने घरों और संपत्ति की निगरानी करने को मजबूर हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर पुलिस की गश्त और निगरानी व्यवस्था कहां है? स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नरवर पुलिस की कार्यप्रणाली पूरी तरह निष्क्रिय नजर आ रही है।

नहीं हो पाया किसी मामले का खुलासा

एक के बाद एक हो रही चोरियों के बावजूद न तो गश्त बढ़ाई गई और न ही किसी मामले का खुलासा हो सका है। इससे अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। नगर के जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इन सभी घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए, रात्रि गश्त बढ़ाई जाए और जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लोगों में विश्वास बहाल किया जाए। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और भी बिगड़ सकती है।

प्रशिक्षण लें, प्रश्न पूछें और समाधान करें : कलेक्टर

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 17 अप्रैल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने शुक्रवार को करेरा में भ्रमण किया और एसडीम कार्यालय, स्वास्थ्य संस्थाएं सहित प्रशिक्षण का भी जायजा लिया। अभी जनगणना के लिए प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

करेरा भ्रमण के दौरान कलेक्टर अर्पित वर्मा ने संदीपनी शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करैरा में जनगणना के प्रथम चरण के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण में भाग लेते हुए प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना में डिजिटल माध्यम का भी उपयोग किया जा रहा है, जिससे नागरिक स्वयं भी पोर्टल पर जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान पूछने में संकोच न करें, प्रश्न करें जिससे बाद में कोई त्रुटि की संभावना न रहे। यदि आपकी जानकारी सही होगी तभी दूसरे को सही जानकारी दे पाएंगे। उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारीगण स्वगणना कीजिए। यह बहुत ही सरल तरीका है, जिसमें प्रश्नों के जवाब भरने होते है, उक्त सरल प्रश्नों के उत्तर कोई भी आसानी के साथ दे सकता है। स्वगणना में परिवार और अपने मकान का विवरण स्वयं भर सकते हैं।

जागरूकता और संकल्प से जीती 'हाई रिस्क' गर्भावस्था की जंग

नवभारत न्यूज
पोहरी, 17 अप्रैल। मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर बसे छोटे से गांव मेहरा की 20 वर्षीय राजकुमारी आदिवासी आज पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन गई है।

मेहरा की राजकुमारी बनी मिसाल

सीमित संसाधनों और सामाजिक दबावों के बीच उसने अपनी समझदारी, जागरूकता और परिवार के सहयोग से न सिर्फ अपनी 'हाई रिस्क' गर्भावस्था को सुरक्षित बनाया, बल्कि एक स्वस्थ शिशु को जन्म देकर मिसाल पेश की। साल 2024 में राजकुमारी का विवाह राजकुमार आदिवासी से हुआ। शादी के बाद वह शारीरिक रूप से तैयार होने तक माँ बनने का निर्णय टालना चाहती थी, लेकिन ग्रामीण परिवेश और पारिवारिक दबाव के चलते वर्ष 2025 में वह गर्भवती हुई। गर्भावस्था की जानकारी मिलते ही उसने जागरूकता का परिचय देते हुए तुरंत स्वास्थ्य सलाह लेना शुरू कर दिया। राजकुमारी ने 'विकास संवाद' द्वारा संचालित समुदाय आधारित कुपोषण प्रबंधन परियोजना के तहत महिला एवं बाल स्वास्थ्य परामर्श केंद्र की काउंसलर रानी जाटव से संपर्क किया। उनके मार्गदर्शन में उसने

आंगनबाड़ी में पंजीकरण कराया और समय पर टीकाकरण व जांच शुरू कर दी।12 नवंबर 2025 को गृह-भेंट के दौरान जांच में सामने आया कि राजकुमारी का वजन मात्र 49 किलो और हीमोग्लोबिन 8.9 ग्राम था, जो गंभीर 'हाई रिस्क' स्थिति थी। काउंसलर और डॉक्टरों ने उसे तुरंत उपचार और पोषण पर ध्यान देने की सख्त सलाह दी।

इस चुनौतीपूर्ण समय में परिवार उसका सबसे बड़ा सहारा बना। पति राजकुमार आदिवासी ने नियमित रूप से आयरन और कैल्शियम की गोलियां दिलाईं और गुड़, चना, मूंगफली व अनार जैसे पौष्टिक आहार उपलब्ध कराए। वहीं सास रेखा आदिवासी ने घर की पूरी जिम्मेदारी संभाल ली, जिससे राजकुमारी को पूरा आराम मिल सका।

परिवार के सहयोग और राजकुमारी के दृढ़ संकल्प का परिणाम जल्द ही दिखा। मात्र एक महीने में, 22 दिसंबर को हुई जांच में उसका हीमोग्लोबिन बढ़कर 11 ग्राम हो गया। इसके बाद भी उसने सतर्कता बनाए रखी और जनवरी में शिवपुरी जाकर अल्ट्रासाउंड करवाया। आखिरकार 8 फरवरी 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में राजकुमारी ने 2 किलो 800 ग्राम वजन के स्वस्थ बालक को जन्म दिया। जन्म के तुरंत बाद शिशु को माँ का दूध पिलाकर उसने सही मातृत्व व्यवहार का उदाहरण भी पेश किया। आज मेहरा गांव में राजकुमारी आदिवासी की कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही समय पर जागरूकता, स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग और परिवार का सहयोग किसी भी जोखिम को मात दे सकता है।

डॉ. खुशी खान अवार्ड 2026 से सम्मानित

शिवपुरी, 17 अप्रैल। शिक्षा के क्षेत्र में 25 वर्षों से उत्कृष्ट सेवाएं दे रहीं दून पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर डॉ. खुशी खान को प्रतिष्ठित चाणक्य नेशनल लीडरशिप अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि ने जिले के शैक्षणिक जगत को गौरवान्वित कर दिया है। डॉ. खान ने शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखते हुए युवाओं के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने छात्रों में शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स, व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी इसी समर्पित कार्यशैली और नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण के चलते चयन समिति ने उन्हें इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए चुना। इससे पूर्व भी डॉ. खुशी खान को कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। उन्हें मध्यप्रदेश की प्रभावशाली महिलाओं की सूची में स्थान मिला, वहीं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा भी शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जा चुका है। साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड भी प्राप्त हो चुका है। इस उपलब्धि पर दून पब्लिक स्कूल परिवार, शिक्षाविदों और शहर के गणमान्य नागरिकों में हर्ष की लहर है।

करोड़ों बहाए, बच्चों को बूंद नहीं, जल जीवन मिशन बना 'कागजी खेल'

हितेश जैन
पोहरी, 17 अप्रैल। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन बदइंतजामी और लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद पोहरी विकासखंड के कई स्कूलों में आज भी बच्चों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि जहां पानी पहुंचना था, वहां सिर्फ सूखी टंकियां और बंद नल नजर आ रहे हैं।

स्कूलों में सूखी टंकियां, जिम्मेदारों की चुप्पी से बढ़ा आक्रोश

स्कूल परिसरों में टंकियां, पाइपलाइन और नल तो लगा दिए गए, लेकिन अधिकांश जगहों पर यह व्यवस्था कभी शुरू ही नहीं हुई। हैरानी की बात यह है कि अधूरे कार्यों को कागजों में पूर्ण दिखाकर भुगतान भी निकाल लिया गया। इससे साफ जाहिर होता है कि कहीं न कहीं अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से सरकारी धन का बंदरबांट हुआ है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब बजट स्वीकृत हुआ, काम दिखाया गया और भुगतान भी हो गया, तो आखिर बच्चों के हिस्से का पानी कहां गायब हो गया? क्या बिना जांच और निरीक्षण के ही फाइलों में सब कुछ 'ओके' कर दिया गया? चौंकाने वाली बात यह है कि बीआरसी, बीएसी और सीएसी जैसे जिम्मेदार अधिकारियों के लगातार निरीक्षण के बावजूद यह गंभीर समस्या कभी सामने नहीं आई। इससे निरीक्षण प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी बड़ा सवाल खड़ा होता है। क्या निरीक्षण सिर्फ कागजों तक सीमित रह गया है? स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि विभागीय लापरवाही और ठेकेदारों की मनमानी के कारण योजना पूरी तरह फेल हो चुकी है।

शुरू नहीं हो पाईं टंकियां

कई स्कूलों में टंकियां सूखी पड़ी हैं और पाइपलाइन जर्जर हो चुकी है। इस मामले में बीआरसी पोहरी शिवचरण जाटव ने भी स्वीकार किया कि अधिकतर विद्यालयों में जल जीवन मिशन के तहत बनाई गई टंकियां शुरू से ही चालू नहीं हैं। फिलहाल शाला प्रभारी हैंडपंप, प्लास्टिक टंकी और अन्य अस्थायी उपायों से पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर लापरवाही पर कब संज्ञान लेता है और क्या वास्तव में जिम्मेदारों पर कोई ठोस कार्रवाई होती है या यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।